

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1543
12 दिसंबर, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देना

1543. श्री पी. वेलुसामी:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में मिलेट्स (श्रीअन्न) के उत्पादन की क्या स्थिति है;
- (ख) सरकार द्वारा श्रीअन्न के उत्पादन को निरंतर बढ़ावा देने के पीछे क्या उद्देश्य है;
- (ग) श्रीअन्न स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार लाभकारी हैं; और
- (घ) केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान द्वारा 'सुपर फूड के संबंध में किए जा रहे अनुसंधान के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री अर्जुन मुंडा)

(क) खरीफ, रबी और जायद के मौसम सहित एक पूर्ण कृषि वर्ष (जुलाई-जून) के लिए उपलब्ध नवीनतम डाटा के अनुसार, 2022-23 के दौरान मिलेट्स (श्रीअन्न) का अखिल भारतीय उत्पादन 173.20 लाख टन था, जिसमें 38.14 लाख टन ज्वार, 114.31 लाख टन बाजरा, 16.91 लाख टन रागी और 3.84 लाख टन छोटे मिलेट्स शामिल थे। 2021-22 और 2022-23 के दौरान मिलेट्स उत्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	पोषक-अनाज (श्रीअन्न)	उत्पादन (लाख टन में)	
		2021-22	2022-23
1	बाजरा	97.81	114.31
2	ज्वार	41.51	38.14
3	रागी	17.01	16.91
4	छोटे मिलेट्स	3.67	3.84
	कुल	160.00	173.20

(ख) से (ग): घरेलू और वैश्विक मांग उत्पन्न करने और लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र संघ को वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष (आईवाईएम) के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। भारत के प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन दिया और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने मार्च, 2021 के दौरान 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया था। भारत सरकार ने आईवाईएम 2023 के उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय मिलेट्स को वैश्विक पहुँच दिलाने के लिए एक सक्रिय बहु-पणधारक संलग्नित दृष्टिकोण (विभिन्न केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, किसानों, स्टार्ट-अप्स, निर्यातकों, खुदरा व्यवसायों, भारतीय दूतावासों इत्यादि को संलग्न करते हुए) अपनाया है।

आईवाईएम-2023 की कार्य योजना उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने, उपभोग, निर्यात, मूल्य शृंखला को मजबूत करने, ब्रांडिंग, स्वास्थ्य लाभ आदि के लिए जागरूकता उत्पन्न करने की कार्यनीतियों पर केंद्रित है। भारत सरकार वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' के रूप में मना रही है ताकि इसे जन आंदोलन बनाया जा सके जिससे की भारतीय मिलेट्स, जिसके अंतर्गत व्यंजनों, मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रोत्साहन दिया जा सके। भारत में जी20 की अध्यक्षता के दौरान मिलेट्स को प्रोत्साहन दिया गया, मिलेट्स पाक कार्निवल, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कार्यक्रम, शेफ सम्मेलन, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की प्रदर्शनी, रोड शो, किसान मेला, अर्धसैनिक बलों हेतु शेफों को प्रशिक्षण, इंडोनेशिया में आशियन भारत मिलेट्स महोत्सव आदि शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के लिए आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम ग्लोबल मिलेट्स (श्रीअन्न) सम्मेलन था, जो 18 से 19 मार्च 2023 तक आईएआरई पूसा परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था। भारत को 'श्रीअन्न' के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए, भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों को साझा करने हेतु वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है।

भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद किसानों, महिला किसानों, गृहणियों, विद्यार्थियों और युवा उद्यमियों को मूल्यवर्धित मिलेट्स खाद्य उत्पादों, दैनिक व्यंजनों आदि के निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और उन्हें स्वयं का उपक्रम स्थापित करने में सहायता कर रहा है। संस्थान ने मिलेट्स खाद्य पदार्थों के लिए "रेडी टू ईट" और "रेडी टू कुक", "ईट राइट" टैग के तहत मिलेट्स खाद्य पदार्थों की ब्रांडिंग, संगठित जागरूकता कार्यक्रम, कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटर, प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर आदि सहित मूल्य वर्धित तकनीक भी विकसित की है।

2014 से 2023 के दौरान, मिलेट्स की कुल 229 किस्में, जिनमें ज्वार की 67, बाजरा की 68; लघु मिलेट के 19; चीना के 7; कोदो के 11; रागी/मंडुआ मिलेट के 40; फॉक्सटेल मिलेट की 10, ब्राउन टॉप मिलेट की 1 और बार्नयार्ड मिलेट की 6 किस्में देश की विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी में खेती के लिए सेंट्रल वेरायटी रिलीज कमेटी (सीवीआरसी) द्वारा जारी की गई हैं।

राजस्थान के बाड़मेर के पास गुडामलानी में बाजरा के लिए नए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन 27 सितंबर, 2023 को किया गया है। विश्व स्तर पर मिलेट्स के अनुसंधान सहयोग और सार्वजनिक जागरूकता को सुदृढ़ बनाने के लिए, एक नई पहल, अर्थात् "मिलेट्स और अन्य प्राचीन अनाज अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल" (महर्षि) को जी20 की अध्यक्षता के दौरान अंगीकृत किया गया है।

मिलेट्स को अगला सुपर फूड या पोषक अनाज माना जाता है क्योंकि ये ग्लूटेन मुक्त, गैर-एलर्जिक और प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, डाइट्री फाइबर और आवश्यक अमीनो एसिड के अच्छे स्रोत होते हैं। अधिकांश मिलेट्स एसिड रहित, ग्लूटिन रहित, अत्यधिक पौष्टिक और सुपाच्य खाद्य पदार्थ होते हैं। मिलेट्स कैल्शियम, आयरन, जिंक, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिजों का समृद्ध स्रोत होते हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में डाइट्री फाइबर और विटामिन जैसे फोलिक एसिड, विटामिन बी 6, β -कैरोटीन और नियासिन भी शामिल होते हैं। अतः, मिलेट्स के नियमित सेवन से कुपोषण को दूर करने में मदद मिल सकती है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने वर्ष 2022-23 से 2026-27 के दौरान कार्यान्वयन हेतु 800 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ श्रीअन्न -आधारित उत्पादों के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग हेतु उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) को स्वीकृति दे दी है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण अभियान के अंतर्गत मिलेट्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस), एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) और मध्याह्न भोजन के तहत मिलेट्स की खरीद बढ़ाने के लिए अपने दिशानिर्देशों को संशोधित किया है।

ईट राइट अभियान के तहत, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) स्वस्थ और विविध आहार के हिस्से के रूप में मिलेट्स के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता उत्पन्न कर रहा है। मिलेट्स को मुख्य धारा में लाने के प्रयासों को जारी रखते हुए, मिलेट्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने और आम जनता के बीच इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्लीहाट, आईएनए, नई दिल्ली में एक 'मिलेट्स अनुभव केंद्र (एमईसी)' खोला गया है।

सरकारी कर्मचारियों के बीच श्रीअन्न की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए, सभी सरकारी कार्यालयों को विभागीय प्रशिक्षणों/बैठकों में श्रीअन्न स्नैक्स और विभागीय कैंटीनों में श्रीअन्न आधारित खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी गई है।

मिलेट्स (श्रीअन्न) के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए, कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) 28 राज्य और 2 संघ राज्य क्षेत्रों अर्थात् जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख सभी के जिलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के तहत पोषक अनाज (मिलेट्स) पर एक उप-मिशन का कार्यान्वयन कर रहा है। पोषक अनाज (मिलेट्स) जैसे सोरघम (ज्वार), पर्ल मिलेट (बाजरा), फिंगर मिलेट (रागी/मंडुआ), माइनर मिलेट्स अर्थात् फॉक्स टेल मिलेट (कांगनी/काकुन), प्रोसो मिलेट (चीना), कोदो मिलेट (कोदो), बार्नयार्ड मिलेट (सावा/सांवा/झांगोरा), लिटल मिलेट (कुटकी) और दो छद्म मिलेट्स बक-व्हीट (कुट्टू) और अमरान्थस (चौलाई) को एनएफएसएम कार्यक्रम के तहत शामिल किया गया है।

भारत सरकार राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत राज्यों को राज्य विशिष्ट आवश्यकताओं/प्राथमिकताओं के लिए लचीलापन भी प्रदान करती है। राज्य, राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति (एसएलएससी) के अनुमोदन से आरकेवीवाई के तहत मिलेट्स (श्रीअन्न) को प्रोत्साहन दे सकते हैं। इसके अलावा, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए राज्यों में मिलेट्स अभियान शुरू किए हैं।

(घ): वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर, 1950 से मिलेट्स पर अनुसंधान कार्य कर रहा है, जिसमें बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान दोनों शामिल हैं। संस्थान विभिन्न कार्यक्षेत्रों के तहत जैसे कि स्वास्थ्य लाभ स्थापित करना, मूल्य संवर्धन के लिए मिलेट्स का प्रसंस्करण, मशीनरी विकास सहित मिलेट्स पर विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का विकास करने के लिए मिलेट्स पर व्यापक अनुसंधान कार्य कर रहा है। सीएसआईआर-सीएफटीआरआई ने 250 से अधिक शोध पत्र, 53 प्रौद्योगिकियों का विकास, 16 पेटेंट और 19 पीएचडी थीसिस विशेष रूप से मिलेट्स पर प्रकाशित किए हैं। सीएसआईआर-सीएफटीआरआई के अनुसंधान कार्यों में मिलेट्स की पोषण संबंधी प्रोफाइलिंग, क्षेत्र-विशिष्ट मिलेट्स उत्पादों को बढ़ावा देना, मिलेट्स उत्पादों की शेल्फ-लाइफ वृद्धि, स्वास्थ्य के बारे में वैश्विक जागरूकता और मिलेट्स के पोषण संबंधी गुण आदि शामिल हैं।
